ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:-

ट्रैक नं:- ZOOM00 29

ट्रैक समयावधि:- 50:15

कलाकार का नाम:- सुभान खड़ खमेखाँ

पता:- बड़नावा चारणान् तेह- पचपदरा जिला- बाड़मेर

सहायक कलाकार:-

विडियो रिकॉर्डिंग समय:-

विषय:- कथा (मधुसिंह) लखनाऊ दरबार II part

विशेष विवरण:-

दिनांक:- 07/06/2021

स्थान:- बड़नावा चारणान्

गायन / वादन:-

II part

Anand
DATE :
PAGE NO. : 37

यह कथा "माधुसिंह" कथा का दूसरा भाग है। अब माधुसिंह उन चारों को मारकर राजा के घर आजाता है दिन में काम करता है रात को जब वह घर नहीं जाता है तो राजा उसे कारण पूछता है तो वहा सारी बात बता देता और राजा से कहता है कि अब मैं शादी नहीं करूँगा। तथा राजा माधुसिंह से कहता है ऐसा किसी तुम्हारे ही नहीं मेरे साथ भी हुआ था। इसप्रकार राजा माधुसिंह को अपनी कहानी सुनाता है कि मैंने एक लड़की से शादी की उसका पिता था नहीं मर चुका था। दो लड़किया और माँ और मैं भी उनके साथ रहता था मेरे सासू एक बड़े जादूगर महाराज के पास सात सौ नदीया और आठ सो समुद्र पार करके मायावी शक्ती से उस महाराज से मिलकर आती थी। मुझे पता तब लगा जब एक दिन उसकी दूसरी लड़की की शादी की शादी वहीं किसी लड़के के साथ हो रही थी और मेरी पत्नी को भी वे शादी पर अपने साथ लेजाने की तैयारी कर रही थी। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि यह कहां जा रही है मैं नींद का नाटक करके सो गया तथा मेरी सासू अपनी लड़की उड़द देकर भेजती है कि कहती है कि जा साती पर रख देयह तबतक नहीं उठेगा जबतक हम वापिस न आ जाए। और उसने उड़द मेरी साती पर रख दिये तथा मैंने उसे उठाकर नीचे रख दिया क्योंकि जागृत व्यक्ति पर असर नहीं करते है। तथा मैंने उनकी सारी बते सुन ली वे कह रही थी कि वहा गाँव के पेड़ पर बैठ कर जाएगी मुझे विश्वास नहीं हो रहा था लेकिन फिर भी मैं उससे पहले उसी पेड़ पर चढ़कर बैठ गया वे आयी और पेड़ को जादू से उड़ाया तो सात सो नदिया आठ सो समुद्र पार करके वहीं हम पहुँच गए। मैं उनसे पहले जाकर लोगो की भीड़ में चला गया तो वहां विवाह की तैयारिया हो रही है बारात भी आ गई है। लेकिन दुल्हा बहुत बदसूरत तो बारती सब बाते कर रहे है कि महाराज इसे देखेंगा तो शादी से इन्कार कर देंगा। तो राजा माधुसिंह से कहता है मैं भी घूमता घूमता वहां चला गया और

वे लोग मुझसे प्रार्थना करने लगे कि तुम कुछ समय के लिए दुल्हा बन जाओ तथा मैंने उनकी बात मान ली और दूल्हे की पोशाक पहनकर तैयार हो गया। अब हम ऑमन में चले गये वहां सब औरतें आयी और मेरी पत्नी भी आयी तो अपनी माँ से कहती है कि यह तो मेरे पती जैसा ही दिखता है तो वह कहती है आप दोनो बहिनो के भाग्य अच्छे है जो एक जैसे पती मिले है। तो मेरी पत्नी मेरे पास आयी मैंने हँसकर उसके आंगिये दोनो रासियाँ तोड़कर अपनी जेब में डाल दी। अब शादी हो गई मैंने अपनी पोशाक बदलकर उसी पेड़ पर आकर बैठ गया। थोड़ी देर में वे भी आ गई और वहां से पेड़ उड़ाया वापिस उसी जगह आकर पेड़ खड़ा हो फिर से मैं उससे पहले उतरकर उसी जगह पर आकर सो गया वे आकर देखती है तो मैं वही से रहा हूँ। जब सुबह होती है तो मैंने अपनी से कहा कि कल रात में मुझे सपना आया कि हम पेड़ उड़ा कर कहीं गए है वहा तुम्हारी बहिन शादी है तथा मैं थोड़ी देर के लिए दुल्हा बना तुम वहां आयी और मैंने तुम्हारे कुर्ते की रासियाँ तोड़ दी। यह बात सुनकर वहा समझ गयी और अपनी माँ से कहती है कि आपके जवाई को सब पता है और वहां भी हमारे साथ था। तो उसने एक सूई अपनी को दी वहा सूई मुझे स्नान करते समय सिर में ठोक दी और मैं मोर बनकर उड़ गया एक दिन तूफान आया तो मैं कांटो के अन्दर फंस गया पास ही एक राजकुमारी का महल था उसने अपनी खिड़की खोली और मुझे फसा हुआ देखा तो उसने अपने दासीयो को भेजा और महल में लेकर चली गई वे मेरे शरीर से कांटे निकालती हुई जब उस सूई को निकालते है मैं अपने रूप में आ गया और मैंने इस राजकुमारी से विवाह कर लिया और आज भी वह ही मेरी पत्नी है।

साधूसिंह राजा की बात सुनकर अपनी बात को भूल जाता है और फिर से शादी करके अपना घर बसाता है।